29 अप्रैल, 2025

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है: विजय मनोहर तिवारी

आज कंटेंट ही किंग है: संयुक्त बनर्जी

पत्रकारिता में धैर्य एवं मनोबल बनाएं रखें: अंकित शर्मा

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा। मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें। कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया। जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दोपहर मेट्रो
epaper.dopaharmetro.com
29 Apr 2025 - Page 2

पत्रकारिता-सिनेमा एक खुला आसमान, हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की।

मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय रहे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा और सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी ने किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा।

संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है।

मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें। शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

सर्च स्टोरी संवाददाता भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए । उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते

रहने को कहा । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें । उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया । जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है: विजय मनोहर तिवारी

आज कंटेंट ही किंग है: संयुक्त बनर्जी

पत्रकारिता में धैर्य एवं मनोबल बनाएं रखें: अंकित शर्मा

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि

पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा। मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें। कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया। जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वदेश ज्योति

पत्रकारिता विवि में 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' पर विमर्श का आयोजन

पत्रकारिता में एआई नहीं, दिमाग का इस्तेमाल जरूरी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर विमर्श का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा। मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें।

पत्रकारिता में धैर्य और मनोबल बनाए रखना बहुत ही जरूरी

संयुक्ता ने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें। कार्यक्रम के शुरुआत में विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया। जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

नगर में आज

- हीरामन उर्वेती के चित्रों की प्रदर्शनी: सुबह: 11:00 बजे से, जनजातीय संग्रहालय
- माह का प्रादर्श: सुबह:11 बजे से, मानव संग्रहालय
- बालमन नाट्य समारोह: शाम, 7 बजे: शहीद भवन
- परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आतिशबाजी: शाम, 7:30 बजे, अटल पथ, जवाहर चौक
- (यदि आप कोई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं तो हमें मो. 9329573840 पर संपर्क करें)

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का हुआ समापन

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर की अपार संभावनाः कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

डिजिटल मीडिया में थंबनेल ही सब कुछः संयुक्ता बनर्जी

टीवी पत्रकारिता धैर्य बनाएं रखेंः अंकित शर्मा

(जगदीश प्रसाद माण्डले)
पीपल्स प्रवक्ता बनखेड़ी, भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए । उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते । कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया । विद्यार्थियों को पढ़ते रहने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर की अपार संभावना है । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल मीडिया में आपका थंबनेल ही सब कुछ है । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें । उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि टीवी पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से टेलीविजन पत्रकारिता करें । कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया । जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श संपन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है: कुलगुरु तिवारी

अनमोल संदेश, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की।

मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से

कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए । उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते । कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें । उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग को विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

आयोजन

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां पर विमर्श कार्यक्रम आयोजित

पत्रकारिता व सिनेमा सृजन का संसार : कुलगुरु तिवारी

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक महत्वपूर्ण विमर्श का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के पूर्व विद्यार्थी और विभिन्न प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों से जुड़े संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय और क्षितिज पांडेय ने अपने अनुभव साझा किए।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा का संसार एक विशाल सृजनात्मक क्षेत्र है, जिसमें कोई सीमाएं तय नहीं की जा सकतीं। उन्होंने विद्यार्थियों को समस्या में जाकर जमीनी सच्चाई जानने का कौशल विकसित करने पर बल दिया। साथ ही, लगातार पुस्तकें पढ़ने और ज्ञान अर्जन करते रहने की भी सलाह दी। कुलगुरु तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज

निर्माण का सशक्त माध्यम है।

मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने डिजिटल मीडिया में थंबनेल और कंटेंट क्वालिटी की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कंटेंट ही सफलता और असफलता तय करता है। संयुक्ता बनर्जी ने विद्यार्थियों को आगाह किया कि वे पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अंधाधुंध उपयोग न करें, बल्कि अपनी सृजनात्मक सोच को प्राथमिकता दें।

पत्रकारिता में धैर्य और मनोबल आवश्यक: अंकित शर्मा

पूर्व विद्यार्थी अंकित शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करते हुए धैर्य और मनोबल को हमेशा बनाए रखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मविश्वास और सतत प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। विमर्श का संयोजन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा और सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी ने किया। संचालन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आयुष और शुभ राणा ने किया। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वर्ष-22 ■ अंक-267
पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00
भोपाल
■ मंगलवार ■ 29 अप्रैल 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया
विक्रम संवत्-2082
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी
दैनिक
समय जगत
भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित
एक संदेश-पूरा देश
म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र
ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

सीधे की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamaviaaat.in

सृजन का संसार है पत्रकारिता और सिनेमा : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

समय जगत, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां÷ विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए । उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते । कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें । उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है।मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें । कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया । जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है-कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

- आज कंटेंट ही किंग है - संयुक्ता बनर्जी.
- पत्रकारिता में धैर्य एवं मनोबल बनाएं रखें - अंकित शर्मा.

भोपाल ■ अमृत दर्शन

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए । उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते । कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें । उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है ।मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए ।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां% विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

पत्रकारिता में धैर्य एवं मनोबल बनाएं रखें : अंकित शर्मा

आम सभा, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में

जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा । मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है।मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें । कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया। संचालन विद्यार्थी आयुष एवं शुभ राणा ने किया । जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक डॉ.अरुण खोबरे ने किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ सहा. प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।